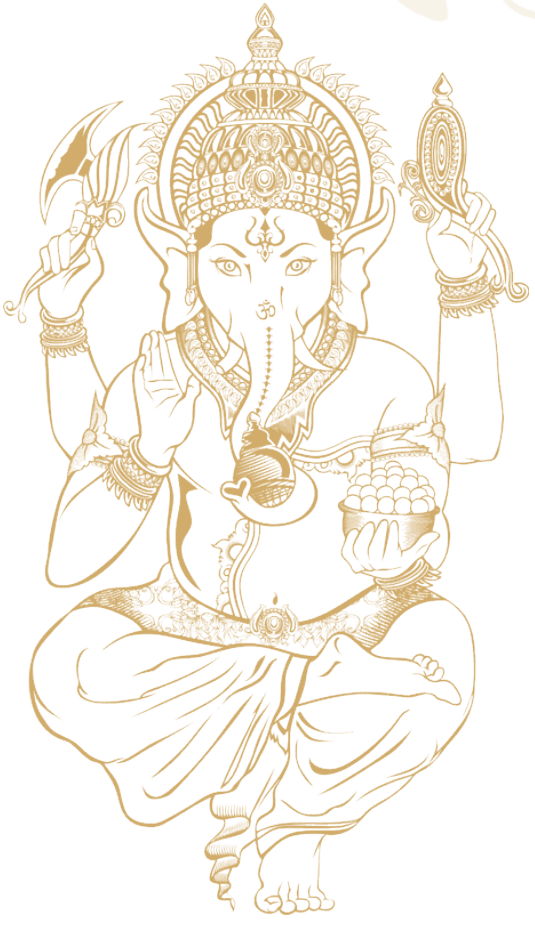

Pt.Madan Lal Sharma

19 Jan 1967

12:15 PM

Barmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121590504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/01/1967**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:15:00 घंटे**
इष्ट	11:46:18 घटी
स्थान	**Barmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:43:00 उत्तर
रेखांश	71:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:44:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:30:40 घंटे
वेलान्तर	-00:10:35 घंटे
साम्पातिक काल	19:22:35 घंटे
सूर्योदय	07:32:28 घंटे
सूर्यास्त	18:17:28 घंटे
दिनमान	10:45:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:06:22 मकर
लग्न के अंश	04:28:05 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:28:05	467:46:22	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मक	05:06:22	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	10:08:21	11:58:34	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			कन्या	28:39:41	00:23:46	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	05:53:00	01:40:35	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु	व		कर्क	06:11:16	00:08:03	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	उच्च राशि
शुक्र			मक	22:13:38	01:15:06	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	01:57:48	00:05:09	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			मेष	19:31:15	00:00:12	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	19:31:15	00:00:12	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष	व		कन्या	00:50:47	00:01:06	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
नेप			वृश्चि	00:35:03	00:01:12	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
प्लूटो	व		सिंह	27:03:50	00:00:50	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			धनु	25:40:21	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:23:38

लग्न-चलित

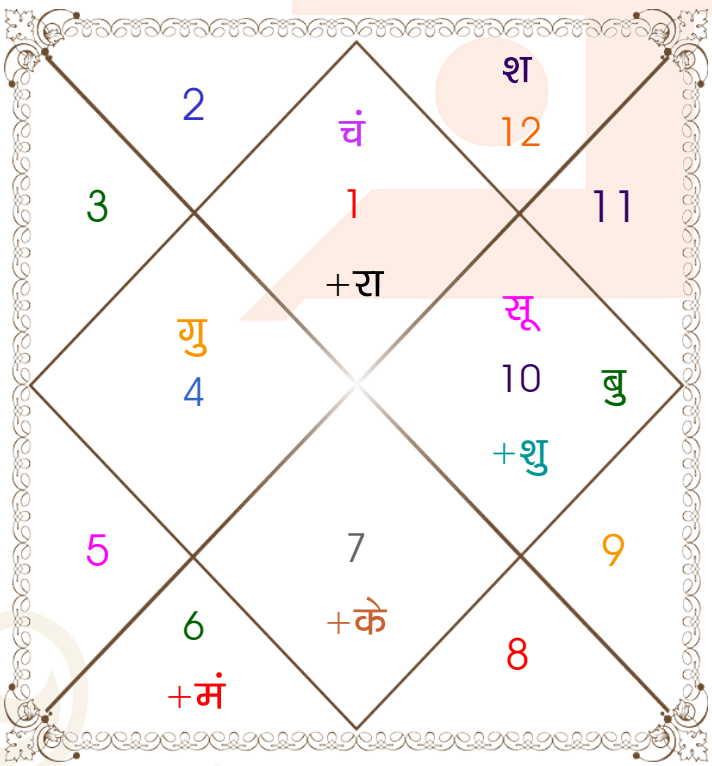

चन्द्र कुंडली

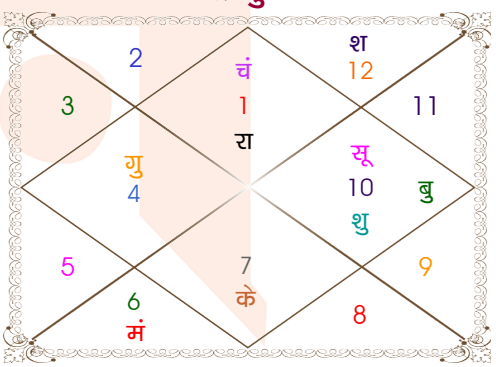

नवमांश कुंडली

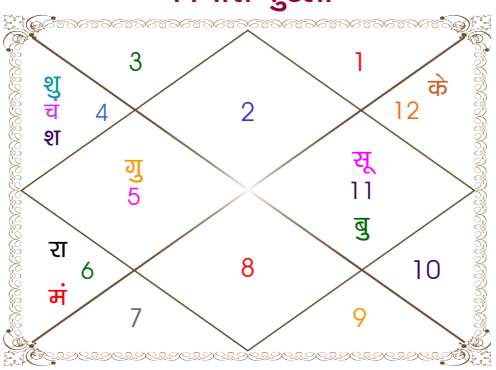

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 8 मास 3 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
19/01/1967		23/09/1968		23/09/1988		23/09/1994		23/09/2004	
23/09/1968		23/09/1988		23/09/1994		23/09/2004		23/09/2011	
	00/00/0000	शुक्र	23/01/1972	सूर्य	10/01/1989	चंद्र	24/07/1995	मंगल	19/02/2005
	00/00/0000	सूर्य	22/01/1973	चंद्र	12/07/1989	मंगल	22/02/1996	राहु	09/03/2006
	00/00/0000	चंद्र	23/09/1974	मंगल	17/11/1989	राहु	23/08/1997	गुरु	13/02/2007
	00/00/0000	मंगल	23/11/1975	राहु	11/10/1990	गुरु	23/12/1998	शनि	24/03/2008
	00/00/0000	राहु	23/11/1978	गुरु	30/07/1991	शनि	24/07/2000	बुध	21/03/2009
	00/00/0000	गुरु	24/07/1981	शनि	11/07/1992	बुध	23/12/2001	केतु	17/08/2009
	19/01/1967	शनि	23/09/1984	बुध	18/05/1993	केतु	24/07/2002	शुक्र	17/10/2010
शनि	26/09/1967	बुध	24/07/1987	केतु	23/09/1993	शुक्र	24/03/2004	सूर्य	22/02/2011
बुध	23/09/1968	केतु	23/09/1988	शुक्र	23/09/1994	सूर्य	23/09/2004	चंद्र	23/09/2011

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
23/09/2011		23/09/2029		23/09/2045		23/09/2064		23/09/2081	
23/09/2029		23/09/2045		23/09/2064		23/09/2081		00/00/0000	
राहु	05/06/2014	गुरु	11/11/2031	शनि	26/09/2048	बुध	19/02/2067	केतु	19/02/2082
गुरु	29/10/2016	शनि	24/05/2034	बुध	06/06/2051	केतु	16/02/2068	शुक्र	21/04/2083
शनि	05/09/2019	बुध	29/08/2036	केतु	15/07/2052	शुक्र	17/12/2070	सूर्य	27/08/2083
बुध	24/03/2022	केतु	05/08/2037	शुक्र	14/09/2055	सूर्य	24/10/2071	चंद्र	27/03/2084
केतु	12/04/2023	शुक्र	05/04/2040	सूर्य	26/08/2056	चंद्र	24/03/2073	मंगल	23/08/2084
शुक्र	12/04/2026	सूर्य	22/01/2041	चंद्र	27/03/2058	मंगल	21/03/2074	राहु	11/09/2085
सूर्य	06/03/2027	चंद्र	24/05/2042	मंगल	06/05/2059	राहु	08/10/2076	गुरु	17/08/2086
चंद्र	04/09/2028	मंगल	30/04/2043	राहु	12/03/2062	गुरु	14/01/2079	शनि	19/01/2087
मंगल	23/09/2029	राहु	23/09/2045	गुरु	23/09/2064	शनि	23/09/2081		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 8 मा 0 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।